HINDI

(Second Language)

(Three hours)

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

*You will **not** be allowed to write during the first **15** minutes.*

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

*This paper comprises two Sections : **Section A and Section B**.*

*Attempt **all** the questions from Section **A**.*

*Attempt any **four** questions from Section **B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A (40 Marks)

*Attempt **all** questions*

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics :— [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :—

(i) 'परोपकार की भावना लोक-कल्याण से पूर्ण होती है।' हमें भी परोपकार से भरा जीवन ही जीना चाहिए। विषय को स्पष्ट करते हुए अपने विचार लिखिये।

(ii) "आजकल देश में आवासीय विद्यालयों (Boarding Schools) की बाढ़ सी आ गई है। आवासीय विद्यालयों की छात्रों के जीवन में क्या उपयोगिता हो सकती है ?'' — इस प्रकार के विद्यालयों की अच्छाइयों एवं बुराइयों के बारे में बताते हुए वर्तमान में इनकी आवश्यकता पर अपने विचार लिखिये।

(iii) संयुक्त परिवार के किसी ऐसे उत्सव के आनन्द का विस्तार से वर्णन कीजिए, जहाँ आपके परिवार के बच्चे-बुजुर्ग सभी उपस्थित थे।

(iv) एक ऐसी मौलिक कहानी लिखिए जिसके अन्त में यह वाक्य लिखा गया हो– 'अन्ततः मैं अपनी योजना में सफल हो सका/हो सकी।'

© *Copyright reserved.*

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिये, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिये।

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below :— [7]

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिये :—

(i) आप अपने विद्यालय के 'सफाई अभियान दल' के नेता हैं। एक योजना के अन्तर्गत आप छात्रों के एक दल को किसी इलाके में सफाई के प्रति जागरूक करने हेतु ले जाना चाहते हैं। अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या जी को इसके लिए स्वीकृति हेतु पत्र लिखिये।

(ii) पिछले महीने कुछ प्रयासों द्वारा आपके विद्यालय के छात्रों ने कुछ धनराशि एकत्रित करके मूक-बधिर (deaf and dumb) विद्यालय के विद्यार्थियों की सहायता की थी। इसका वर्णन करते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिये और बताइये कि हमें समाज के विकलाँग लोगों के प्रति कैसा व्यवहार रखना चाहिए व उनकी सहायता के लिए किस प्रकार के प्रयास करने चाहिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :—

सूर्य अस्त हो रहा था। पक्षी चहचहाते हुए अपने नीड़ की ओर जा रहे थे। गाँव की कुछ स्त्रियाँ अपने घड़े लेकर कुएँ पर जा पहुँची। पानी भरकर कुछ स्त्रियाँ तो अपने घरों को लौट गई, परंतु चार स्त्रियाँ कुएँ की पक्की जगत पर ही बैठकर आपस में बातचीत करने लगीं। तरह-तरह की बातचीत करते-करते बात बेटों पर जा पहुँची। उनमें से एक की उम्र सबसे बड़ी लग रही थी। वह कहने लगी–"भगवान सबको मेरे जैसा ही बेटा दे। वह लाखों में एक है। उसका कंठ बहुत मधुर है। उसके गीत को सुनकर कोयल और मैना भी चुप हो जाती हैं। सच में मेरा बेटा तो अनमोल हीरा है।"

उसकी बात सुनकर दूसरी अपने बेटे की प्रशंसा करते हुए बोली–"बहन मैं तो समझती हूँ कि मेरे बेटे की बराबरी कोई नहीं कर सकता। वह बहुत ही शक्तिशाली और बहादुर है। वह बड़े-बड़े पहलवानों को भी पछाड़ देता है। वह आधुनिक युग का भीम है। मैं तो भगवान से कहती हूँ कि वह मेरे जैसा बेटा सबको दे।"

दोनों स्त्रियों की बात सुनकर तीसरी भला क्यों चुप रहती ? वह भी अपने को रोक न सकी। वह बोल उठी–"मेरा बेटा साक्षात् बृहस्पति का अवतार है। वह जो कुछ पढ़ता है, एकदम याद कर लेता है। ऐसा लगता है बहन, मानों उसके कंठ में सरस्वती का वास हो।"

तीनों की बात सुनकर चौथी स्त्री चुपचाप बैठी रही। उसका भी एक बेटा था। परंतु उसने अपने बेटे के बारे में कुछ नहीं कहा।

जब पहली स्त्री ने उसे टोकते हुए पूछा कि उसके बेटे में क्या गुण है, तब चौथी स्त्री ने सहज भाव से कहा–"मेरा बेटा ना गंधर्व-सा गायक है, न भीम-सा बलवान और न ही बृहस्पति-सा बुद्धिमान।" यह कह कर वह शांत बैठ गई। कुछ देर बाद जब वे घड़े सिर पर

रखकर लौटने लगीं, तभी किसी के गीत का मधुर स्वर सुनाई पड़ा, गीत सुनकर सभी स्त्रियाँ ठिठक गईं। पहली स्त्री शीघ्र ही बोल उठी–"मेरा हीरा गा रहा है। तुम लोगों ने सुना, उसका कंठ कितना मधुर है।" तीनों स्त्रियाँ बड़े ध्यान से उसे देखने लगी। वह गीत गाता हुआ उसी रास्ते से निकल गया। उसने अपनी माँ की तरफ़ ध्यान नहीं दिया।

थोड़ी देर बाद दूसरी का बेटा दिखाई दिया। दूसरी स्त्री ने बड़े गर्व से कहा, "देखो मेरा बलवान बेटा आ रहा है। वह बातें कर ही रही थी कि उसका बेटा भी उसकी ओर ध्यान दिए बगैर निकल गया।"

तभी तीसरी स्त्री का बेटा उधर से संस्कृत के श्लोकों का पाठ करता हुआ निकला। तीसरी ने बड़े गद्गद् स्वर में कहा "देखो, मेरे बेटे के कंठ में सरस्वती का वास है। वह भी माँ की ओर देखे बिना आगे बढ़ गया।

वह अभी थोड़ी दूर गया होगा कि चौथी स्त्री का बेटा भी अचानक उधर से आ निकला। वह देखने में बहुत सीधा-सादा और सरल प्रकृति का लग रहा था। उसे देखकर चौथी स्त्री ने कहा, "बहन, यही मेरा बेटा है।" तभी उसका बेटा पास आ पहुँचा। अपनी माँ को देखकर रुक गया और बोला, "माँ लाओ मैं तुम्हारा घड़ा पहुँचा दूँ। माँ ने मना किया, फिर भी उसने माँ के सिर से पानी का घड़ा उतारकर अपने सिर पर रख लिया और घर की ओर चल पड़ा।

तीनों स्त्रियाँ बड़े ही आश्चर्य से देखती रहीं। एक वृद्ध महिला बहुत देर से उनकी बातें सुन रही थी। वह उनके पास आकर बोली, "देखती क्या हो ? यही सच्चा हीरा है।"

(i) पहली तथा दूसरी स्त्री ने अपने-अपने बेटे के विषय में क्या कहा ? [2]

(ii) तीसरी स्त्री ने अपने बेटे को 'बृहस्पति का अवतार' क्यों कहा ? [2]

(iii) पहली स्त्री द्वारा पूछे जाने पर चौथी स्त्री ने क्या कहा ? [2]

(iv) चौथी स्त्री के बेटे ने अपनी माँ के साथ कैसा व्यवहार किया, यह देखकर तीनों स्त्रियों को कैसा लगा ? [2]

(v) बच्चों को अपने माता-पिता के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए ? समझाइए। [2]

Question 4

Answer the following according to the instructions given :—

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :—

(i) निम्नलिखित शब्दों में से **दो** शब्दों के विलोम लिखिए :— [1]

कीर्ति, निर्मल, विजय, निर्दोष।

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :— [1]

धनवान, किनारा, दूध।

(iii) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए :— [1]

अपेक्षा, गुण।

(iv) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिये :— [1]

प्रदर्षनी, लच्छमी, अपरीचीत।

(v) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी **एक** की सहायता से वाक्य बनाइए :— [1]

आसमान से बातें करना, उड़ती चिड़िया पहचानना।

(vi) कोष्टक में दिए गए वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए :—

(a) मोहन और रमेश सच्चे मित्र थे। [1]

['मित्रता' शब्द का प्रयोग कीजिए।]

(b) मुझसे कोई भी बात <u>कहने में संकोच न</u> करें। [1]

[रेखांकित के लिए एक शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्य को पुनः लिखिए।]

(c) शिक्षक ने अपने शिष्य को आदेश दिया। [1]

[वचन बदलिए।]

SECTION B (40 Marks)

*Attempt **four** questions from this Section.*

*You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

साहित्य सागर-संक्षिप्त कहानियाँ

(Sahitya Sagar–Short Stories)

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

आनन्दी की त्यौरी चढ़ गई। झुँझलाहट के मारे बदन में ज्वाला-सी दहक उठी। बोली, "जिसने तुमसे यह आग लगाई है, उसे पाऊँ तो मुँह झुलस दूँ।

['बड़े घर की बेटी'—प्रेमचंद]

[Bade Ghar Ki Beti—Premchand]

(i) आनन्दी की त्यौरी क्यों चढ़ी हुई थी ? वह किसका इंतजार कर रही थी ? [2]

(ii) श्रीकंठ सिंह ने आनन्दी से क्या जानना चाहा ? [2]

(iii) इससे पहले लालबिहारी और बेनीमाधव सिंह श्री कंठ सिंह से क्या कह चुके थे ? [3]

(iv) आनन्दी से घटना का हाल जानकर श्रीकंठ सिंह को कैसा लगा ? उन्होंने अपने पिता से क्या कहा ? [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"रात को बड़े जोर का झक्कड़ चला। सेक्रेटेरियट के लॉन में जामुन का पेड़ गिरा। सुबह को जब माली ने देखा, तो उसे पता चला कि पेड़ के नीचे एक आदमी दबा पड़ा है।"

['जामुन का पेड़'—कृष्ण चंदर]

[Jamun Ka Ped—Krishna Chander]

(i) माली ने यह देखकर क्या किया और क्यों ? [2]

(ii) पहले दूसरे और तीसरे क्लर्क ने क्या कहा ? क्या तीसरे क्लर्क को उस दबे हुए आदमी से सहानुभूति थी ? [2]

(iii) माली ने क्या सुझाव दिया ? मोटे चपरासी की बात सुनकर माली क्या बोला ? [3]

(iv) कहानी के अन्त में क्या हुआ था ? देर से मिलने वाला न्याय महत्वहीन होता है कैसे ? [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

"पर, 'सब दिन होत न एक समान' अकस्मात् दिन फिरे और सेठ को गरीबी का मुँह देखना पड़ा। संगी-साथियों ने भी मुँह फेर लिया और नौबत यहाँ तक आ गई कि सेठ व सेठानी भूखे मरने लगे।''

[महायज्ञ का पुरस्कार — यशपाल]

[Mahayagya Ka Puraskar — Yashpal]

(i) अकस्मात् बुरा समय किसका आ गया था तथा बुरा समय आने से पहले उसकी दशा कैसी थी ? [2]

(ii) अपना बुरा समय दूर करने के लिए सेठ ने क्या उपाय सोचा ? इस उपाय के लिए उन्हें किसके पास जाना पड़ा ? [2]

(iii) सेठ ने मार्ग में कौनसा महायज्ञ किया था ? क्या वह वास्तव में महायज्ञ था ? समझाकर लिखिये। [3]

(iv) कहानी का उद्देश्य लिखिये। [3]

साहित्य सागर – पद्य भाग
(Sahitya Sagar–Poems)

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

"लाठी में गुण बहुत हैं, सदा राखिये संग।
गहरि, नदी, नारी जहाँ, वहाँ बचावै अंग।।
वहाँ बचावै अंग, झपटि कुत्ता कहँ मारै।
दुश्मन दावागीर, होयँ तिनहूँ को झारै।।
कह 'गिरिधर कविराय' सुनो हो धूर के बाठी।।
सब हथियार न छाँड़ि, हाथ महँ लीजै लाठी।।

[कुंडलियाँ–गिरिधर कविराय]

[Kundaliya–Giridhar Kavi Rai]

(i) इस कुंडली में किसकी उपयोगिता बताई गई है ? कवि ने किस समय मनुष्य को लाठी रखने का परामर्श दिया है ? [2]

(ii) लाठी हमारे शरीर की सुरक्षा किस प्रकार करती है ? [2]

(iii) लाठी किन तीनों से निपटने में सहायक होती है और किस प्रकार ? [3]

(iv) कवि सब हथियार छोड़कर लाठी लेने की बात क्यों कर रहे हैं ? अपने विचार व्यक्त करते हुए कुंडलियाँ लेखन का उद्देश्य स्पष्ट कीजिये। [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"चाट रहे जूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।
ठहरो, अहो मेरे हृदय में है अमृत, मैं सींच दूँगा।
अभिमन्यु जैसे हो सकोगे तुम,
तुम्हारे दु:ख मैं अपने हृदय में खींच लूँगा।''

[भिक्षुक—सूर्यकान्त त्रिपाठी—'निराला']
[Bhikshuk—Suryakanth Tripathi—'Nirala']

(i) पहली दो पंक्तियों में कवि ने क्या दृश्य प्रस्तुत किया है ? [2]

(ii) इस भावुक दृश्य से हमारे हृदय में क्या भाव उत्पन्न होते हैं ? [2]

(iii) क्या भिक्षुकों की मदद करना मानवीय धर्म नहीं है ? यहाँ अभिमन्यु का उदाहरण कवि ने क्यों दिया है ? [3]

(iv) प्रस्तुत कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए। [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"मैं पूर्णता की खोज में
दर-दर भटकता ही रहा
प्रत्येक पग पर कुछ-न कुछ
रोड़ा अटकता ही रहा
पर हो निराशा क्यों मुझे ?
जीवन इसी का नाम है।
चलना हमारा काम है।''

[चलना हमारा काम है — शिवमंगल सिंह 'सुमन']
[Chalna Hamara Kaam Hai — Shiv Mangal Singh 'Suman']

(i) कवि ने मनुष्य के जीवन के बारे में क्या कहा है तथा क्यों ? [2]

(ii) कवि के अनुसार जीवन का महत्व किसमें है ? स्पष्ट कीजिये। [2]

(iii) जीवन में सुख-दुख और आशा-निराशा के प्रति हमारा क्या दृष्टिकोण होना चाहिए ? अपने दुखों और निराशा के लिए हमें किसको दोष देना उचित नहीं है तथा क्यों ? समझाकर लिखिये। [3]

(iv) प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि ने पाठकों को क्या सन्देश दिया है ? [3]

नया रास्ता–सुषमा अग्रवाल

(Naya Raasta–Sushma Agarwal)

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

अमित मेज पर बैठा खाना खाने लगा। माँ भी उसके पास बैठ गईं। बैठे-बैठे वह न जाने किन विचारों में खो गईं और एकटक अमित की ओर ही देखती रहीं।

(i) माँ अमित की तरफ देखते हुए क्या सोच रही थी ? [2]

(ii) दीपक कौन है ? उन्हें किस बात का कार्ड मिला ? [2]

(iii) मधु के बारे में माँ ने अमित से क्या कहा ? [3]

(iv) माँ को घर में बहू की कमी क्यों अखरती थी ? [3]

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"दूसरे ही क्षण मीनू उसके सामने आ गई और खुशी से उसके हाथ चूम लिये। अरे मीनू, आज तो बहुत प्रसन्न दिखाई दे रही हो। क्या बात है ? नीलिमा ने पूछा।"

(i) मीनू कौन है ? उसकी प्रसन्नता का कारण क्या है ? [2]

(ii) 'उसके' सर्वनाम का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिये। [2]

(iii) मीनू के चेहरे पर किस बात को सोचकर उदासी छा जाती है ? मीनू की उदासी कब और किस प्रकार दूर होती है ? समझाकर लिखिये। [3]

(iv) प्रस्तुत उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिये। [3]

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"परन्तु तुम ये तो सोचो कि आजकल शादी के बाद ही दावत दी जाती है। यदि हम प्रीतिभोज नहीं देंगे तो दुनिया वाले क्या कहेंगे और फिर बड़े घर की लड़की आ रही है। दावत नहीं देंगे तो सब लोग बात बनाएंगे।"

(i) उपर्युक्त कथन किसने, किस अवसर पर कहा था ? [2]

(ii) 'बड़े घर की लड़की' किसको कहा गया है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिये। [2]

(iii) उपर्युक्त कथन के विषय में अमित के क्या विचार हैं ? वह इस शादी से सहमत क्यों नहीं है ? धनीमल जी ने शादी के प्रस्ताव के साथ क्या लालच दिया था ? [3]

(iv) आजकल के मध्यमवर्गीय परिवारों में विवाह आदि रीति-रिवाजों के अवसर पर होने वाले फिजूलखर्चे पर अपने विचार लिखिये। [3]

एकांकी संचय
(Ekanki Sanchay)

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश कि मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो सकती! हो पाती तो कुल, धर्म और जाति का भूत मुझे तंग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती।"

[संस्कार और भावना–विष्णु प्रभाकर]

[Sanskar Aur Bhavna–Vishnu Prabhakar]

(i) वक्ता कौन है ? यह वाक्य वह किसे कह रही है ? [2]

(ii) 'संस्कारों की दासता सबसे भयंकर शत्रु है' यह कथन एकांकी में किसका है ? उसने ऐसा क्यों कहा ? [2]

(iii) संस्कारों की दासता के कारण वक्ता को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ? [3]

(iv) प्रस्तुत एकांकी द्वारा एकांकीकार ने क्या सन्देश दिया है ? [3]

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"जानता हूँ युधिष्ठिर ! भली भाँति जानता हूँ। किन्तु सोच लो, मैं थककर चूर हो गया हूँ, मेरी सभी सेना तितर-बितर हो गई है, मेरा कवच फट गया है, मेरे शस्त्रास्त्र चुक गए हैं। मुझे समय दो युधिष्ठिर ! क्या भूल गए मैंने तुम्हें तेरह वर्ष का समय दिया था ?"

[महाभारत की एक साँझ–भारत भूषण अग्रवाल]
[Mahabharat Ki Ek Sanjh–Bharat Bhushan Agarwal]

(i) वक्ता कौन है ? वह क्या जानता था ? [2]

(ii) वक्ता इस समय असहाय क्यों हो गया था ? क्या वह वास्तव में असहाय था ? [2]

(iii) श्रोता कौन है ? श्रोता को तेरह वर्ष का समय कैसे दिया था ? इस कथन को आप कितना सही मानते हैं ? [3]

(iv) वक्ता ने जो समय दिया था उसका उद्देश्य क्या था ? क्या वह अपने उद्देश्य में सफल हो सका ? स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 16

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"आज कुसमय नाच-रंग की बात सुनकर मेरे मन में शंका हुई थी। इसलिये मैंने कुँवर को वहाँ जाने से रोक दिया था। संभव था कि कुँवर वहाँ जाते और बनवीर अपने सहायकों से कोई काण्ड रच देता।''

[दीपदान — डॉ. रामकुमार वर्मा]
[Deepdan — Dr. Ram Kumar Verma]

(i) उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिये। [2]

(ii) नाच-रंग का आयोजन किसने और किस उद्देश्य से किया था ? [2]

(iii) बनवीर कौन है ? उसका परिचय देते हुए उसका चरित्र-चित्रण कीजिये। [3]

(iv) 'दीपदान' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता बताइये तथा एकांकी के माध्यम से एकांकीकार ने क्या शिक्षा दी है ? [3]